

सम० ए० हिंदी चतुर्थ सेमेस्टर पाठ-योजना सत्र २०२५-२६

तृतीय प्रश्न पर HND-पाठ। पाश्चात्य काव्यशास्त्र

⇒ जनवरी २०२५ : —

- (i) प्लेटों उनका समय एवं इनका काव्य सिद्धांत
- (ii) अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत विस्तृत विवेचन
- (iii) अरस्तु का विवेचन सिद्धांत एवं इसका विवेचन
- (iv) लोणाहंस : उदात्त का सिद्धांत
- (v) मासिक मूल्यांकन

⇒ फरवरी २०२५ : —

- (i) ड्राइडन के काव्य सिद्धांत का विस्तार पूर्वक वर्णन
- (ii) बड्सवर्थ एवं काव्य भाषा सिद्धांत
- (iii) कॉलेरिज : कल्पना सिद्धांत
- (iv) मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना सिद्धांत एवं स्वरूप तथा प्रकार्य
- (v) टी० एस० हलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- (vi) मासिक मूल्यांकन

⇒ मार्च २०२५ : —

- (i) अरि० ए० रिचर्ड्स : संवेगों के संतुलन का सिद्धांत
- (ii) स्वच्छन्दतावाद
- (iii) शारजीयतावाद
- (iv) आभिव्यंजनवाद
- (v) मार्क्सवाद, फ्रायडवाद, आस्टीत्ववाद
- (vi) मासिक मूल्यांकन

⇒ अप्रैल २०२५

- (i) उत्तर आधुनिकतावाद
- (ii) पूरे पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
- (iii) मासिक मूल्यांकन

✍ गानेशि.

डॉ० सोमवीर
प्रोफेसर हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय,
महेन्द्रगढ़।
-फलभाष : ९५१६२३८०११

चतुर्थ प्रश्न पत्र C.C-9, १५६.०-१११-१०५ भारतीय काव्यशास्त्र

⇒ अन्वयी १०१८ : — प्रथम इकाई

- (i) काव्य का स्वरूप तथा प्रकार, अर्थ, परिभाषा तथा काव्य के गत
- (ii) काव्य के रूप एवं इनके व्याख्याता
- (iii) काव्य प्रयोजन एवं इनके व्याख्याता
- (iv) काव्य के भेद : — दृश्य काव्य, श्रव्य काव्य, नाटक, प्रकरण, प्रथम काव्य, गद्यमय काव्य, चंद्र काव्य महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिका

⇒ पदवरी १०१८ : — द्वितीय इकाई, तृतीय इकाई

- (i) दस सिद्धांत एवं इनके व्याख्याकार, परिभाषा तथा राश्री रसों का तात्विक विवेचन

- (ii) दस निष्पत्ति सिद्धांत एवं साधारणीकरण

- (iii) अलंकार सिद्धांत एवं विभिन्न आचार्य तथा उनकी व्याख्या

- (iv) रीति सिद्धांत : स्वरूप तथा व्यापनाहें, भासिक सूत्रांकन

⇒ मार्च १०१८ : — तृतीय एवं चतुर्थ इकाई

- (i) व्यक्रांति सिद्धांत स्वरूप तथा व्यापनाहें

- (ii) व्यक्रांति सिद्धांत, इसके प्रवर्तक एवं व्यापनाहें

- (iii) औचित्य सिद्धांत, इसके प्रवर्तक एवं व्यापनाहें

- (iv) भासिक सूत्रांकन

⇒ अष्टम १०१८ : — छै पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति एवं विद्यार्थी सूत्रांकन

⑧ नाना

डॉ. रमेश्वर
प्रोफेसर हिंदी विभाग,
राजकीय महाविद्यालय,
महेंद्रगढ़।
चलभाग - १५६२३४०॥

पाठ-योगीय यशःराशि द्वीप रक्षित-रक्षित रक्षित २०१५-२५

पहले पुश्तैनी या १५८-६-०-११११-१०६ (१) केमब्रिज

⇒ उत्तर 2025 :- 201

(1) सालीन पिरुड्यम और हेमचंद

(ii) विभवचंद्र की रेखा हैलियन रेख रेखा भौतिक दृष्टि

(iii) सर्वोच्च न्यायालय

(iv) अनादि राज किराज विजार्ज आरतीय हृषिक की रक्षा

(10) प्रेमचंद की तब कलित विमर्श, प्रेमचंद की आधा

(vi) संज्ञा चयनार्थ आदर्शवाद से अभ्यास का समर

(vii) साहित्य क्षेत्रों में

⇒ मार्च २०२५ : — दि १२ अप्रैल

1) संज्ञा उपसर्ग वा लोप

(iii) बंभूनि उपन्यास का मुख्य उद्देश्य

(iii) गंगा नदी उपनद्या
उदा० ब्रह्मपुत्र
गङ्गा नदी
सगरमाथा एवं
रक्षाधाम

(iv) निम्नलिखित पात्रों का चर्च-चर्चा

(३)	ब	न	क	ग
(२)	अ	उ	इ	ए

जाति क
द्वेय क

[illegible]

मौल्य २००५. - ३० का २ - १
 ८० को ५२ की बेसी कलानी का उद्देश्य, मुद्रण पत्र ३११३

(ii) कृषक कृषि क्षेत्र संवर्धन, कक्षा २-११२ ।

(iii) पुरुषों की रात के सपने, विशेष रूप से किशानों का दृष्टांत का वर्णन

(iv) अदानी कक्ष का क्यागार तुलिपाय राशि आदि ।

(iv) 'डाकू' का मुआँफ़ करानी में 'चिकी' व 'कुसुम' नगर-2।

(2) श्रीराम श्रीराम

→ ३५८ २०२५ : १६
३५८ : १६

10) ग्राहिक का उद्देश्य निबंध के प्रकार /

(ii) अरुणी कला एवं महाअनी संस्कृति का विरह होता है ।

(iii) सांज का समय और शंकराचार्य जी की प्रवचन ।

$$(14) \quad \frac{y^2}{y^2} = \frac{y^2 y^2}{y^2 y^2} = \frac{y^4}{y^4} = 1$$
$$\begin{array}{r} 81 \overline{) 6512} \\ \underline{648} \\ 32 \end{array}$$

सं. २११००१
११/११/११ दि. ११
विभागा

पाठ - योजना एम० ए० - चतुर्थ समेस्टर सत्र २०२५-२६ (हिंदी)

⇒ जनवरी २०२५: — इकाई - ०१

- (i) राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचंद
- (ii) प्रेमचंद की साहित्यिक दृष्टि तथा उसका साहित्य
- (iii) यथार्थवाद एवं प्रेमचंद साहित्यिक समझ
- (iv) पत्रकारिता में प्रेमचंद का योगदान
- (v) मासिक मूल्यांकन ।

⇒ फरवरी २०२५: — इकाई - ०२

- (i) प्रेमचंद तथा भारतीय किसान
- (ii) किसान एवं जमींदारी प्रश्न
- (iii) प्रेमचंद तथा स्त्री विमर्श एवं दलित विमर्श
- (iv) स्त्री विमर्श एवं दलित विमर्श से जुड़े आंदोलन
- (v) प्रेमचंद की भाषा एवं शैली, मासिक मूल्यांकन

⇒ मार्च २०२५: — इकाई - ०३

- (i) रंगभूमि उपन्यास का सार एवं उठाई गई समस्याएँ
- (ii) रंगभूमि उपन्यास का नायक सुरदास
- (iii) रंगभूमि उपन्यास का मूल उद्देश्य
- (iv) बड़े घर की बेटी कहानी, ईदगाह, पूस की रात, सद्गति
- (v) ठाकुर का कुंआ
- (vi) मासिक मूल्यांकन

⇒ अप्रैल २०२५ इकाई - ०४

- (i) कर्कला नाटक का पाठन एवं उसके प्रश्न
- (ii) निबंध 'साहित्य का उद्देश्य' का पाठन
- (iii) महाजनी सभ्यता पर चर्चा
- (iv) सांप्रदायिकता और संस्कृति पर विस्तृत चर्चा एवं गुण दोषों का विश्लेषण
- (v) पूरे पाठ्यक्रम का मूल्यांकन

नागरिक
डॉ० सोमवीर
प्रोफेसर हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय
महेन्द्रगढ़ ।
चलभाष 9416238011